

## वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23

### प्रारंभिक परीक्षा:

[उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण](#) , [सकल मूल्य वृद्धि](#) , [सकल घरेलू उत्पाद \(जीडीपी\)](#) , शुद्ध मूल्य वृद्धि, [राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय \(एनएसओ\)](#)

### मुख्य परीक्षा:

सकल मूल्य वर्द्धन और आर्थिक विकास के आकलन में इसका महत्त्व, उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASI), संवृद्धि एवं विकास

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में [सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय \(MoSPI\)](#) ने वर्ष 2022-23 के लिये [उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण \(ASI\)](#) जारी किया, जो भारत में [वनिर्माण क्षेत्र की रकिवरी और विकास](#) पर महत्त्वपूर्ण अंतरदृष्टि प्रस्तुत करता है।

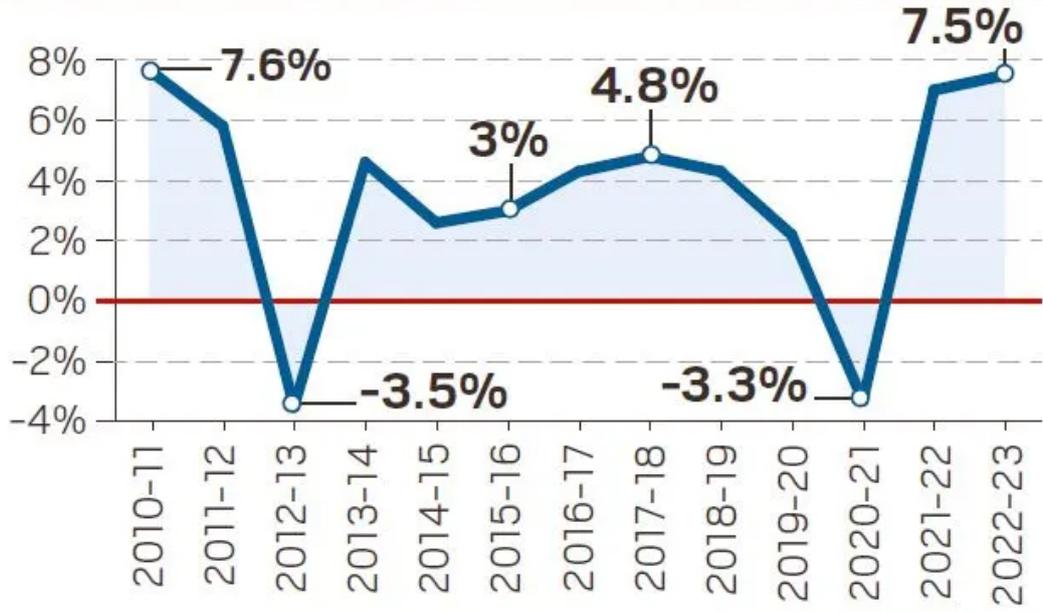
- ASI वर्ष 2022-23 के लिये सर्वेक्षण फील्डवर्क नवंबर 2023 से जून 2024 तक आयोजित किया गया था।

### ASI रिपोर्ट 2022-23 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- वनिर्माण क्षेत्र में रोज़गार वृद्धि:
  - ASI के अनुसार वनिर्माण क्षेत्र में [रोज़गार](#) वर्ष 2021-22 में 1.72 करोड़ से 7.5% बढ़कर वर्ष 2022-23 में 1.84 करोड़ हो गया, जो वगित 12 वर्षों में वृद्धि की उच्चतम दर है।
  - वर्ष 2022-23 में वनिर्माण क्षेत्र ने 13 लाख नौकरियाँ सृजित कीं, जो वतित वर्ष 2022 की तुलना में 11 लाख से अधिक है।

//

## EMPLOYMENT GROWTH IN MANUFACTURING



### ■ सकल मूल्य वर्द्धन (GVA) और उत्पादन वृद्धि:

- वनरिमाण **जीवीए** में 7.3% की मज़बूत वृद्धि हुई, जो वर्ष 2022-23 में 21.97 लाख करोड़ रुपए तक पहुँच गई, यह वर्ष 2021-22 में 20.47 लाख करोड़ रुपए थी।
- कुल औद्योगिक इनपुट में 24.4% की वृद्धि हुई, जबकि वर्ष 2021-22 की तुलना में 2022-23 में इस क्षेत्र में उत्पादन में 21.5% की वृद्धि हुई, जो वनरिमाण गतविधियों में महत्त्वपूर्ण उछाल को दर्शाता है।

# INDUSTRY PERFORMANCE

	Persons engaged (in mn)	Additional jobs created (in mn)	Sector GVA (₹ trn)
FY20	16.6	0.344	14.85
FY21	16.08	-0.534	16.17
FY22	17.2	1.1	20.47
FY23	18.49	1.3	21.97

Note: \*Total emoluments is defined as the sum of wages and salaries including bonus; output and GVA in current prices

Source: MoSPI

- **वनिरिमाण वृद्धि के मुख्य चालक:**
  - वर्ष 2022-23 में वनिरिमाण वृद्धि के प्राथमिक चालक मूल धातु, कोक और परष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद, खाद्य उत्पाद, रसायन और मोटर वाहन थे।
    - इन उद्योगों का संयुक्त योगदान कुल उत्पादन का लगभग 58% था।
- **क्षेत्रीय प्रदर्शन:**
  - रोजगार के मामले में शीर्ष 5 राज्य तमलिनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक थे।
- **कारखानों की संख्या में वृद्धि:**
  - कारखानों की संख्या वर्ष 2021-22 में 2.49 लाख से बढ़कर 2022-23 में 2.53 लाख हो गई, जो कोवडि-19 व्यवधानों के बाद पहली पूर्ण रिकवरी अवस्था को चहिनति करती है।
- **अनौपचारिक क्षेत्र में गरिावट:**
  - जुलाई 2024 में जारी [अनगिमति उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण \(ASUSE\) 2022-23 रिपोर्ट](#) के अनुसार, अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार में 1.5% की गरिावट देखी गई, जो वर्ष 2022-23 में 16.45 लाख घटकर 10.96 करोड़ हो गई, जो वनिरिमाण क्षेत्र में औपचारिक रोजगार की ओर बदलाव का संकेत है।
- **औसत वेतन:**
  - प्रतिव्यक्ति औसत पारशिरमिक वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में 6.3% बढ़कर 3.46 लाख रुपये हो गया।
- **पूंजी निवेश में उछाल:**
  - सकल स्थायी पूंजी नरिमाण (GFCF) वर्ष 2022-23 में 77% से अधिक बढ़कर 5.85 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि शुद्ध स्थायी पूंजी नरिमाण 781.6% बढ़कर 2.68 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे वनिरिमाण क्षेत्र की नरिंतर वृद्धि देखने को मली।
    - **सकल स्थायी पूंजी नरिमाण (GFCF)**, या "निवेश", से तात्पर्य उत्पादित परसिंपत्तियों के अधगिरहण से है, जिसमें सेकंड-हैंड खरीद भी शामिल है, साथ ही नपिटान घटाने के बाद उत्पादकों द्वारा अपने स्वयं के उपयोग के लिये परसिंपत्तियों का उत्पादन, शामिल है।
    - शुद्ध स्थायी पूंजी नरिमाण, सकल स्थायी पूंजी नरिमाण (GFCF) में से स्थायी पूंजी की खपत की राशिको घटाकर प्राप्त राशिको होती है।
  - वनिरिमाण क्षेत्र में मुनाफा 2.7% बढ़कर 9.76 लाख करोड़ रुपए हो गया।

## टपिपणी:

- श्रमिकों में प्रत्यक्ष रूप से या किसी एजेंसी के माध्यम से नियोजित सभी व्यक्ति शामिल हैं, जिनमें वनिरिमाण प्रक्रियाओं या मशीनरी और परसिर की सफाई में शामिल वेतनभोगी और अवैतनिक कर्मचारी भी शामिल हैं।
- कर्मचारियों में वेतन पाने वाले सभी कर्मचारी, साथ ही लपिकि, पर्यवेक्षी या प्रबंधकीय भूमिका में कार्यरत कर्मचारी तथा कच्चा माल या अचल सम्पत्ता खरीदने में शामिल कर्मचारी, तथा नगिरानी एवं रखवाली करने वाले कर्मचारी शामिल हैं।

## सकल मूल्य वर्द्धन (GVA)

- GVA उस मूल्य को दर्शाता है, जो उत्पादक उत्पादन प्रक्रिया के दौरान वस्तुओं और सेवाओं में जोड़ते हैं।
- इसकी गणना कुल उत्पादन से इनपुट (मध्यवर्ती खपत) की लागत घटाकर की जाती है।
- यह सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का एक प्रमुख घटक है, जो आर्थिक संवृद्धि को दर्शाता है। GVA विकास दर क्षेत्रीय प्रदर्शन में अंतरदृष्टि परदान करती है, जिससे आर्थिक विश्लेषण और नीति निर्धारण में सहायता मिलती है।
  - $GVA = GDP + \text{उत्पादों पर सब्सिडी} - \text{उत्पादों पर कर}$
  - शुद्ध मूल्य वर्द्धन (NVA) की गणना सकल मूल्य वर्द्धन (GVA) से मूल्यहरास को घटाकर की जाती है।
- यह मध्यवर्ती उपभोग और स्थायी पूंजी के उपभोग दोनों को घटाने के बाद उत्पादन के मूल्य को दर्शाता है।

## वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) क्या है?

- परिचय:
  - वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) भारत में औद्योगिक आँकड़ों का प्राथमिक स्रोत है।
  - 1953 के सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के अनुसार इसकी शुरुआत वर्ष 1960 में हुई थी, वर्ष 1959 को आधार वर्ष मानकर, वर्ष 1972 को छोड़कर, यह प्रत्येक आयोजित किया जाता है।
  - ASI वर्ष 2010-11 से यह सर्वेक्षण सांख्यिकी संग्रह अधिनियम, 2008 के तहत आयोजित किया गया है, जिसे अखिल भारतीय स्तर पर वसितारति करने के लिये वर्ष 2017 में संशोधित किया गया था।
- कर्यान्वयन एजेंसी:
  - सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) का एक हस्सिा, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ASI का संचालन करता है।
    - सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी किये गए आँकड़ों की कवरेज और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये ज़मिमेदार है।
- ASI का दायरा और कवरेज:
  - ASI का वसितार संपूर्ण देश में है। इसमें कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 2(एम)(आई) और 2(एम)(आईआई) के तहत पंजीकृत सभी कारखाने शामिल हैं।
  - बीड़ी और सगिर श्रमिक (रोज़गार की शर्तों) अधिनियम, 1966 के अंतरगत पंजीकृत बीड़ी और सगिर नरिमाण प्रतषिठान।
  - वदियुत उत्पादन, पारेषण और वतिरण में लगे वदियुत उपकरण केन्द्रीय वदियुत प्राधकिरण (CEA) के पास पंजीकृत नहीं हैं।
  - राज्य सरकारों द्वारा बनाए गए प्रतषिठानों के व्यवसाय रजस्रिटर (BRE) में पंजीकृत 100 या अधिक कर्मचारियों वाली इकाइयाँ, जैसा कि संबंधित राज्यों द्वारा साझा किया गया है।
- डेटा संग्रहण तंत्र:
  - ASI के लिये डेटा सांख्यिकी संग्रह अधिनियम, 2008 (जैसा कि वर्ष 2017 में संशोधित किया गया) और वर्ष 2011 में इसके तहत स्थापित नियमों के अनुसार चयनित कारखानों से एकत्र किये जाते हैं।

## भारत में वनिरिमाण क्षेत्र के लिये अवसर और चुनौतियाँ क्या हैं?

- अवसर:
  - व्यापक घरेलू बाज़ार और मांग: भारतीय वनिरिमाण क्षेत्र में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ग्राहकों की ओर से अपने उत्पादों की मज़बूत मांग देखी गई है।
    - मई 2024 में कश्य प्रबंधक सूचकांक (PMI) 58.8 दर्ज किया गया, जो भारत के वनिरिमाण परदृश्य में वसितार का संकेत देता है।
  - क्षेत्रीय लाभ: रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक मशीनरी और वस्रत सहित प्रमुख वनिरिमाण क्षेत्रों ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है।
    - भारत में औषधि नरिमाण लागत अमेरिका और यूरोप की तुलना में लगभग 30%-35% कम है।
  - वैश्विक दक्षिणी बाज़ार तक पहुँच: भारतीय वनिरिमाण यूरोपीय से एशियाई वैश्विक मूल्य शृंखलाओं (GVC) की ओर स्थानांतरित हो रहा है, वैश्विक दक्षिणी भागीदारों से वदिशी मूल्य वर्द्धति (FVA) वर्ष 2005-2015 में 27% से बढ़कर 45% हो गया है।
    - इससे भारतीय कम्पनियों को अपना स्वयं का जी.वी.सी. स्थापित करने तथा भारत को एक क्षेत्रीय विकास केंद्र के रूप में स्थापित करने का अवसर मिलता है।
  - MSME का उदय: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30% का योगदान करते हैं और आर्थिक विकास को गति देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, देश के कुल नरियात में इनका योगदान लगभग 45% है।



